आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 27.02.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. राजधानी श्री विजयपुरम में केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित किसानों के लिए कृषि ज्ञान और नवाचार का संगम बना– किसान मेला।
2. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में जैव विविधता, अनुसंधान और सत्त विकास पर चर्चा की गई।
3. जहाजरानी सेवा निदेशालय ने वर्ष 2026–2027 के लिए मुख्य भूमि, द्वीप और अंतर्द्वीपीय नौका सेवाओं के किराए में संशोधन किया। नई किराया दरें एक अप्रैल से लागू होंगी।
4. मानव और प्रकृति के सामंजस्य का संदेश देने के लिए डिगलीपुर वन विभाग की पहल पर रामनगर के पायलट ब्लू फ्लैग तट पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय किसान मेले का आज उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर नई दिल्ली के आई सी ए आर के उप निदेशक जनरल डॉ. ए. के. नायक ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में क्यारी द्वारा कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण में किए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने किसानों से नए तकनीकी उपाय अपनाने और उत्पादन तथा आर्थिक लाभ बढ़ाने का आग्रह किया और पर्यटन के सकारात्मक प्रभाव से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अवसर उत्पन्न होने पर बल दिया। इस अवसर पर क्यारी के निदेशक डॉ. जय सुन्दर ने किसान मेला को तकनीकी ज्ञान, वैज्ञानिक–किसान संवाद और अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच बताया। मेले में क्यारी के विभिन्न विभागों के 16 स्टॉल लगाए गये,

जिनमें बागवानी, मत्स्य पालन, पशु विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और फसल सुधार से संबंधित तकनीकी प्रदर्शनी दिखाई गई। लगभग 400 किसानों और महिला कृषकों ने इसमें भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया। कार्यक्रम में स्थानीय भाषा में कृषि एवं सहायक प्रबंधन से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया गया।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केंद्र और EIACP सेंटर ऑन आइलैंड बायोडाइवर्सिटी द्वारा "विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से हरित भविष्य" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। आज उद्घाटन अवसर पर ZSI के पूर्व निदेशक डॉ. रामकृष्ण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने विज्ञान की निरंतर प्रकृति और भारत के वैज्ञानिक इतिहास पर प्रकाश डाला। संसाधन सुरक्षा, आर्थिक विकास और वैश्विक चुनौतियों में विज्ञान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस अवसर पर भारतीय वनस्पित सर्वेक्षण के पूर्व निदेशक डॉ. एम. संजप्पा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने द्वीप समूह में अपने व्यापक शोध अनुभव साझा किया और सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व पर बल दिया। कार्यशाला का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और हरित भविष्य के निर्माण में छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना था। कार्यशाला में हरित कौशल विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षु सहित विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

<><><><><><><>

14 वर्ष आयु वर्ग की सभी बालिकाओं के लिए मानव पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान का कल राष्ट्रीय शुभारंभ किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत राजस्थान के अजमेर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देशभर में ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गराचरमा में सुबह

11 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रशासन के स्वास्थ्य सचिव वंदना राव मुख्य अतिथि होंगी। वहीं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निदेशक डॉ. एच. एम. सिद्धाराजू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधे प्रसारण के बाद पात्र लाभार्थियों को टीका लगाया जाएगा।

<><><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय द्वारा वर्ष 2026–27 के लिए यात्री किरायों में संशोधन संबंधी आदेश जारी किया गया है। निदेशालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार संशोधित किराए मुख्य भूमि, द्वीप, अंतरद्वीप, तटीय तथा बंदरगाह नौका सेवाओं में संचालित जहाजों पर लागू होंगे। नए किराए 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए संशोधित किराया विवरण अंडमान निकोबार प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट तथा जहाजरानी सेवा निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन ने यात्रियों से अद्यतन किराया दरों की जानकारी प्राप्त कर यात्रा की योजना बनाने की अपील की है।

<><><><><><><><>

डिगलीपुर के वन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण और सतत तटीय विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रामनगर स्थित पायलट ब्लू फ्लैग बीच पर भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। भगवान बुद्ध की प्रतिमा की स्थापना से इस स्थल की पहचान एक आदर्श ईको–टूरिज्म गंतव्य के रूप में और अधिक सुदृढ़ हुई है। प्रतिमा में भगवान बुद्ध को उपदेश मुद्रा में कलात्मक रूप से दर्शाया गया है, जिसमें स्थानीय जैव–विविधता की जटिल नक्काशी की गई है। प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण मुख्य वन संरक्षक डॉ. ए.अनिल कुमार ने किया। अपने संबोधन में डॉ. कुमार ने करुणा, सह–अस्तित्व और सजग जीवनशैली को सतत विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में प्रभागीय वन अधिकारी डॉ. एस. एच. के. मूर्ति, सहायक वन संरक्षक शिवेन्द्र, पंचायत प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय ग्रामीण, पर्यटक तथा वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रसिद्ध

शिल्पकार महानंद गोमसाता द्वारा निर्मित यह प्रतिमा मानव और प्रकृति के सामंजस्य का संदेश देती है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगामी 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करेगा। यह लोक अदालत पोर्ट ब्लेयर के जिला न्यायालय परिसर, मायाबंदर के उप–मंडल न्यायालय परिसर, डिगलीपुर तथा कैंपबेल बे के सर्किट न्यायालय में एक साथ आयोजित की जाएगी। प्राधिकरण द्वारा जारी सूचना के अनुसार विभिन्न न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य मामलों के अतिरिक्त वाद दायर होने से पूर्व के विवादों की भी सुनवाई की जाएगी। लोक अदालत में धन वसूली, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल बिल संबंधी प्रकरण, भरण–पोषण वाद तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों को शामिल किया जाएगा। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने विवाद 6 मार्च से पूर्व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पोर्ट ब्लेयर को लिखित रूप में प्रस्तुत करें, ताकि उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सके।

<><><><><><><>

स्वराज द्वीप के गोविंद नगर, पंचायत भवन में आज एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक, शाखा एमएसएमई–डीएफओ हरजिंदर सिंह, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, एन आर एल एम द्वीपमाला, स्वराज द्वीप के अंडमान निकोबार स्टेट कॉपरेटिव बैंक के प्रभारी प्रबंधक सत्यानारायण तथा एम एस एम ई शाखा–डी एफ ओ से तनुज उपस्थित रहे। तकनीकी सत्र में तनुज ने एम एस एम ई योजनाओं एवं उद्यमिता पर विस्तृत जानकारी दी जबकि प्रभारी प्रबंधक सत्यानारायण द्वारा बैंक सहायता एवं विभिन्न ऋण योजनाओं पर जानकारी प्रदान किया। कार्यक्रम में उद्यमिता के अवसर, एम एस एम ई योजनाएं, ऋण संबद्धता एवं संस्थागत सहयोग पर विशेष बल दिया गया। यह पहल स्वराज द्वीप के स्वयं सहायता समूहों एवं संभावित उद्यमियों के बीच

स्वरोजगार और उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न स्वयं सहायता समूह की अड़तालीस महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>